केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 346 रविवार 12 जुलाई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

किसान की खेत में संदिग्ध परिस्थिति में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के चंदोखा गांव में शनिवार सुबह खेत की सिंचाई कर रहे एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 55 वर्षीय किसान हरीराम का शव उनके खेत में अचेत अवस्था में मिला। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, चंदोखा गांव निवासी हरीराम पुत्र पलटू शनिवार सुबह करीब 6 बजे अपने खेत में सिंचाई के लिए गए थे। खेत में काम करते समय वहां से गुजर रहे एक ग्रामीण ने उन्हें अचेत अवस्था में पड़ा देखा। ग्रामीण की सूचना पर आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य किसान और परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने हरीराम को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हरीराम अपने पीछे पत्नी सीता देवी, दो पुत्र रवि प्रकाश और गोलू, तथा तीन पुत्रियां अंजनी, रंजनी और संजनी को छोड़ गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही वाल्टरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

बरसात से राहत, किसानों के चेहरे खिले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार शाम पूरे शहर में झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस तेज बारिश से जहां सड़कें जलमग्न हो गईं, वहीं उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को काफी राहत मिली। बारिश के कारण पारा 30 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। बारिश शुरू होते ही लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। मौसम विभाग ने पहले ही बस्ती समेत आसपास के क्षेत्रों के लिए बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, आंधी–तूफान और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताते हुए सतर्क रहने की सलाह दी थी।

इस बारिश से किसानों में खासा उत्साह देखा गया। किसान कल्याण ने बताया कि इस समय धान की रोपाई का कार्य चल रहा है, ऐसे में प्राकृतिक रूप से हुई यह बारिश खेतों के लिए बेहद लाभकारी है। इससे सिंचाई का खर्च कम होगा और फसलों की अच्छी बढ़वार में मदद मिलेगी। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश होती रही तो धान की खेती को काफी फायदा होगा।

हालांकि, सब्जी उत्पादकों के लिए यह बारिश चिंता का कारण भी बन सकती है। किसान राहुल पाल ने जानकारी दी कि अधिक बारिश से कई सब्जियों की फसल प्रभावित होने की आशंका है। खेतों में पानी भरने से नुकसान हो सकता है, जिसका असर आने वाले दिनों में बाजार में सब्जियों की कीमतों पर भी पड़ सकता है। अभी तक बरसात की स्थिति ये है कि किसान सिंचाई करके धान बैठा रहे हैं और ताल तलैया में पानी नहीं है।

भटहट–बांसस्थान फोरलेन की सौगात, सीएम योगी ने किया 758 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण–शिलान्यास

संवाददाता–गोरखपुर। विकास की योजनाओं में कहीं भी सेंध लगे, हम बंटे तो आपसी हमारा विभाजन जाति के नाम पर बंटने की कीमत कीमत वर्तमान और भावी पीढ़ी को चुकानी पड़ेगी ।जाति के नाम पर बांटने विकास को बाधित करने की साजिश कर रहे हैं। सपा और कांग्रेस हिंदुओं का अपमान करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम भटहट बांसस्थान में 557 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण‌ शिलान्यास समारोह में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री ने संबोधन की शुरूआत में ही कहा कि आपने आज देखा होगा कि वास्तव में विकास कैसा होता है।2017 से पहले इंसेफेलाइटिस की बीमारी थी। पलायन था, पिछड़पन था, किसी भी योजना का लाभ गरीबों, किसानों, महिलाओं और अन्य पात्रों को लाभ नहीं मिलता था। अब विकास हो रहा है और सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों का मिल रहा है।

अब उपचार का केंद्र आपके गांव और घर बन रहे हैं। आयुष विश्वविद्यालय और एम्स का निर्माण, बीआरडी मेडकिल कॉलेज का उन्नयन और फर्टिलाइजर के साथ फ्लाईओवर, फोरलेन एवं ओवरब्रिज बन गए। अब शहर से बांसस्थान 12 से 15 मिनट में पहुंच सकते हैं।

जब अच्छे लोग चुनकर आते हैं तो विकास होता है। जब विकास होता है तो सभी के लिए खुशहाली आती है। इस क्षेत्र की एक घाटी का नाम चंबल घाटी रख दिया गया था, अब यह चमन की घाटी है। विकास की ढेर सारी योजनाएं आ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा का इतिहास रामभक्तों के खून से सना हुआ है। सपा सरकार में दंगे होते थे, कावड़ यात्रा रोकी जाती थी, हिंदू आस्था को अपमानित किया जाता था। अब विरासत के सम्मान के साथ विकास हो रहा है। सपा और कांग्रेस विकास कार्यों को पचा नहीं पा रही हैं।

पुलिस पर घर में घुसकर मारपीट का आरोपः उच्चाधिकारियों से जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुलिस पर घर में घुसकर महिलाओं और एक गर्भवती महिला से मारपीट का गंभीर आरोप लगा है। शहर कोतवाली क्षेत्र के सराय घाट (पोस्ट मिश्रौलिया) की रीता समेत अन्य महिलाओं ने शनिवार दोपहर एक बजे उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र देकर स्थानीय पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिकायती पत्र के अनुसार, 10 जुलाई की रात करीब 10 बजे थाना कोतवाली के 8 से 10 पुलिसकर्मी उनके घर में बिना किसी स्पष्ट कारण के घुस गए। उन्होंने परिवार की महिलाओं, नाबालिग लड़कियों और पुरुषों के साथ मारपीट की। आरोप है कि पांच माह की गर्भवती निरमा के पेट और पैरों पर लात–घूंसों से हमला किया गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और तब से गर्भस्थ शिशु की हलचल महसूस नहीं हो रही है। सीमा नामक महिला के बाल खींचने और नाबालिग लड़कियों के साथ अभद्र व्यवहार का भी आरोप है। पुलिसकर्मियों पर घर में रखे टीवी, फ्रिज सहित अन्य सामान को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप है। पीड़ित परिवार ने यह भी दावा किया कि पुलिसकर्मी जाते समय चार मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन और घर में रखे कुछ जेवर अपने साथ ले गए।

शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, वीडियो और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा दोषी पाए जाने पर उन्हें तत्काल निलंबित करने की मांग की है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना एक व्यक्ति द्वारा नशे की हालत में एक घर के सामने टॉयलेट करने के विरोध से शुरू हुई थी। विरोध करने पर बात बढ़ी और उस व्यक्ति के सिर में चोट लग गई। इसके बाद डायल 112 पर पुलिस को फोन किया गया। डायल 112 की टीम के साथ स्थानीय चौकी की चीता पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि डायल 112 टीम के जाने के बाद स्थानीय चौकी की पुलिस ने यह कार्रवाई की।

इस प्रकरण को लेकर इंस्पेक्टर कोतवाली मोती चंद ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने किया मनरेगा अन्नपूर्णा भवन का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पठखौली राजा में शनिवार को 'मनरेगा अन्नपूर्णा भवन' का लोकार्पण किया पूर्व सांसद और असम प्रभारी हरीश द्विवेदी ने किया। यह भवन 7 लाख 35 हजार रुपये की लागत से निर्मित हुआ है। लोकार्पण के दौरान पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने स्वयं ग्रामीणों को कोटा का अनाज वितरित कर इसकी शुरुआत की।

आयोजित सभा को संबोधित करते हुए हरीश द्विवेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

द्विवेदी ने बताया कि यह नवीन भवन स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक और विकासात्मक कार्यों को अधिक सुगम बनाएगा, जिससे ग्रामवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। उपस्थित लोगों ने भवन निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान मनोज दुबे, वरिष्ठ भाजपा नेता सुखराम गौड़, राजेश त्रिपाठी, सहदेव दुबे, अंकुर मिश्रा, शिवबहादुर मौर्य सहित बड़ी संख्या में सम्मानित ग्रामवासी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साइबर ठगी मामले में छह आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती साइबर क्राइम थाना पुलिस ने साइबर ठगी के मनी ट्रेल की जांच करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ संगठित साइबर अपराध का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का मानना है कि इन नामजद आरोपियों के बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को एक जगह से दूसरी जगह भेजने के लिए किया जा रहा था।

मुकदमा साइबर क्राइम थाना में दर्ज किया गया। मामले में चन्द्रकेतु निवासी भिरवास, थाना कलवारी, बस्ती, प्रभात चौधरी निवासी कठौतिया, थाना नगर, हाल पता तुर्कवलिया, थाना कलवारी, श्यामजी चौधरी निवासी भिरवास, थाना कलवारी, बस्ती, अशफाक अहमद निवासी रमवापुर, थाना बखिरा, संतकबीरनगर, केशनाथ गुप्ता निवासी कुसरू कला, थाना बखिरा, संतकबीरनगर और तालिब निवासी राजस्थान को नामजद किया गया है।

प्रभारी निरीक्षक राजकुमार राजभर ने बताया कि 'म्यूल अकाउंट' ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिनका उपयोग साइबर अपराधी ठगी की रकम को एक खाते से दूसरे खाते में स्थानांतरित करने और उसकी वास्तविक पहचान छिपाने के लिए करते हैं। पुलिस इस मामले में बैंक खातों के लेनदेन, मोबाइल नंबरों, डिजिटल दस्तावेजों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की गहनता से जांच कर रही है।

प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में सांगठनिक मजबूती, ब्लाक स्तरीय संगठन की बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–अनेक शिक्षक पदाधिकारी दूसरे संघ को छोड़ विनय तिवारी गुट में शामिल
–शिक्षकों की एकजुटता से होगा समस्याओं का समाधान–देवेन्द्र वर्मा

बस्ती। शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक प्रेस क्लब सभागार बस्ती में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक देवेन्द्र वर्मा और संचालन जिला सह संयोजक विजय प्रकाश चौधरी ने किया । बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी ब्लॉक स्तरीय अधिवेशनों की रूपरेखा पर गंभीर विचार–विमर्श किया गया।

बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी की नीतियों और नेतृत्व में अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए विभिन्न शिक्षक संगठनों के कई प्रमुख पदाधिकारियों ने अपने पदों और सदस्यता से इस्तीफा देकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की सदस्यता ग्रहण की।

मुख्य रूप से सदस्यता ग्रहण करने वालों में शिक्षक संघ दिनेश शर्मा गुट के जिला उपाध्यक्ष प्रताप नारायण चौधरी, जिला उपाध्यक्ष शिव प्रकाश सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री डॉ. दुर्गा प्रसाद सिंह, सल्टोआ के कोषाध्यक्ष मुनीराम पटेल श्प्रभाकरश, बहादुर कोषाध्यक्ष विवेकानन्द चौरसिया, कप्तानगंज के कोषाध्यक्ष राम रंग, जिला कार्यकारिणी सदस्य दौलत राम चौधरी, हर्रैया के नरेंद्र कुमार वर्मा, सल्टोआ कोषाध्यक्ष रमेश कुमार विश्वकर्मा, के साथ ही कप्तानगंज से शिव प्रकाश सिंह के नेतृत्व में शिवनाथ, अवनीश सिंह, इंद्रजीत, सुनील सिंह विपिन कुमार, राम यज्ञ, जियालाल , शंभू नाथ, आनंद, राकेश, सुमित्रा नंदन,विजय बहादुर गौतम,राजकुमार शिवेंद्र ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

बैठक में जिला संयोजक देवेन्द्र वर्मा ने जनपद के शेष बचे सभी ब्लॉकों में शिक्षक संघ के अधिवेशन और चुनाव सम्पन्न कराने हेतु तिथियों के निर्धारण के आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय तथा मजबूत बनाने के लिए सभी ब्लॉकों में समयबद्ध तरीके से अधिवेशन आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर जिला सह संयोजक इंद्रसेन मिश्रा, महेश कुमार, चन्द्रभान चौरसिया, रामभारत वर्मा, शोभाराम वर्मा, रमेश चंद्र चौधरी, राजेश चौधरी गंगा प्रसादविकन्नौजिया, ज्ञानदास कन्नौजिया, संदीप यादव, संदेश रंजन, विमल चंद्र वर्मा,अखिलेश मिश्रा,सूरज पाण्डेय, सौरभ पद्माकर, जवाहिर लाल चौधरी, अमितराम त्रिपाठी, दीपक वर्मा, शाशिकांत गौतम, अवध नारायण चौधरी,ज्ञानदास चौधरी,गिरिजा शंकर चौधरी सुरेंद्र पटेल, मनोज वरुण, विजय कन्नौजिया,विश्वनाथ चौधरी, अवधेश मौर्य,सुधाकर चौधरी,मनोज कुमार, दुर्गेश कुमार, संजीव कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

पिता अयातुल्ला खामेनेई की मौत का बदला लेंगे ईरान के सुप्रीम लीडर, मोजतबा ने खाई कसम

तेहरान (आभा)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने शनिवार को अपने पिता और फरवरी में इजरायल–अमेरिकी हमलों में मारे गए तत्कालीन सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की कसम खाई। मोजतबा ने कहा कि कि उनके मारे गए पहले के नेता और पिता का बदला लेना देश की मांग है और यह जरूर होना चाहिए। उन्होंने यह बात उनके टेलीग्राम अकाउंट पर जारी एक लिखित मैसेज में कही। खामेनेई ने यह मैसेज अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के मौके पर दिया। खामेनेई ने मैसेज में कहा, ष्हम शहीद नेता और इन दोनों युद्धों के सभी शहीदों के खून का बदला अपराधी और बदनाम हत्यारों से लेने का वादा करते हैं।'

इससे पहले, खामेनेई के अंतिम संस्कार में अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या की खुली मांग के बाद प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर यह बात तब कही जब सीनियर अमेरिकी अधिकारियों ने मांग की कि ईरान एक पब्लिक बयान दे कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है और इस जरूरी कॉरिडोर को पार करने वाले जहाजों पर हमला नहीं किया जाएगा। हालांकि, अभी तक तेहरान ने ऐसा नहीं किया है, बल्कि इस बात पर जोर दिया है कि यह रास्ता उसके कंट्रोल में रहे।

अमेरिका कुछ दिनों से ईरान को निशाना बनाकर फिर से हवाई हमले कर रहा है जिसके जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया के कई देशों पर हमले किए हैं। ये हमले इस सप्ताह की शुरुआत में होर्मुज में तीन पोतों पर ईरान के हमले के बाद शुरू हुए थे। ट्रंप ने अपनी वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, श्एक हजार मिसाइलें तैयार हैं और उनका निशाना ईरान है। अगर ईरान सरकार अपनी धमकी पर अमल करती है तो इसके तुरंत बाद हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी।'

ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान के सभी क्षेत्रों को पूरी तरह तबाह और नष्ट कर देगी– अल्लाह का शुक्र है! ट्रंप ने युद्ध और उसके बाद कायम अस्थिर युद्धविराम के दौरान कई बार अरबी में ईश्वर का नाम लिया है। उन्होंने ईरान की सभ्यता को नष्ट करने की धमकी भी दी है। देशव्यापी अधिकार संगठन श्काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशंस' ने पहले ट्रंप पर इस्लाम का विकृत तरीके से मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए उनकी आलोचना की थी।

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के अन्य सदस्यों को शहद शहर के इमाम रजा दरगाह में सुपुर्द– ए– खाक किया गया।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 54 करोड़ की ठगीः 4 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । साइबर वज्र अभियान के तहत बस्ती पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शेयर ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया। साइबर क्राइम थाना, एसओजी, स्वाट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में गिरोह के सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बस्ती निवासी चंद्रकेतु, प्रभात चौधरी, श्यामजी चौधरी तथा संतकबीरनगर निवासी अशफाक अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन, पांच चेकबुक, छह एटीएम कार्ड, दो क्यूआर कोड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, निर्वाचन पहचान पत्र, जीएसटी संबंधी दस्तावेज और 6,500 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह फेसबुक, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर ट्रेडिंग, निवेश और आकर्षक ऋण का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। इसके बाद पीड़ितों से फर्जी कंपनियों और कॉर्पोरेट बैंक खातों में धनराशि ट्रांसफर कराकर साइबर ठगी को अंजाम दिया जाता था।

जांच के दौरान आरोपियों के बैंक खातों से जुड़े एनसीआरपी (NCRP) पोर्टल पर देशभर से 77 शिकायतें मिलीं। प्रारंभिक जांच में इन खातों में पिछले एक वर्ष के दौरान करीब 2.5 करोड़ रुपये के लेनदेन का पता चला है, जबकि शिकायतों के आधार पर लगभग 54 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से इनका संबंध सामने आया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों और इसके संभावित अंतरराज्यीय एवं विदेशी कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

सीओ सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर निवेश, शेयर ट्रेडिंग या अधिक मुनाफे का लालच देने वाले विज्ञापनों पर भरोसा न करें और किसी भी अनजान खाते में धनराशि स्थानांतरित करने से पहले पूरी तरह सत्यापन अवश्य करें।

अग्निवीर नरेन्द्र कुमार यादव के घर पहुंचा सपा का प्रतिनिधि मण्डल आर्थिक सहायता देकर दुःखी परिवार को दिलाया सहयोग का भरोसा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–अग्निवीरों को मिले शहीद का दर्जा– महेन्द्रनाथ यादव

बस्ती। मुण्डेरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 12 पटेल नगर उमरी अहरा निवासी अग्निवीर 22 वर्षीय नरेन्द्र कुमार यादव की शहादत से शोक की लहर है। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, विधायक कवीन्द्र चौधरी 'अतुल' के साथ सपा का एक प्रतिनिधि मण्डल अग्निवीर नरेन्द्र कुमार यादव के घर पहुंचा और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बधाते हुये समाजवादी पार्टी बस्ती द्वारा एक लाख रुपये का आर्थिक सहयोग देते हुये हुए परिजनों को हर सम्भव मदद का भरोसा दिया ।

ज्ञात रहे कि वर्ष 2024 में नरेन्द्र अग्निवीर योजना में शामिल हो गए और 24 नवंबर 2024 को बेंगलुरु में छह माह की ट्रेनिंग के बाद उनकी तैनाती अग्निवीर सेना में राजस्थान के बीकानेर में हुई थी। गत 4 जुलाई को नरेन्द्र देश सेवा के दौरान शहीद हो गए ।

सपा जिलाध्यक्ष एवं विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने पीड़ित परिवार को ढांढस बधाते हुये कहा कि अग्निवीर योजना के कारण नरेन्द्र कुमार यादव की शहादत को सेना और सरकार भले न स्वीकार करें किन्तु जिसने अपनों को खोया है वहीं इस दर्द को समझते हैं। कहा कि समाजवादी पार्टी ने अग्निवीर योजना का मुख्य विरोध किया था किन्तु केन्द्र की भाजपा सरकार ने देश के ऐसे युवाओं से शहादत का अधिकार भी छीन लिया जो इसके अधिकारी है। कहा कि दुःख की इस घड़ी में सपा दुःखी परिवार के साथ है। उन्होने मांग किया कि अग्निवीरों को सैनिकों की भांति सुविधा और शहादत का दर्जा दिलाया जाय।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 जुलाई 2026 रविवार

सम्पादकीय

दलित राजनीति के नये सियासी सन्दर्भ

उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित नेतृत्व को लेकर जो बहस लंबे समय से भीतर ही भीतर चल रही थी, वह अब खुलकर सामने आ गई है। मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड के बाद आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद के आंदोलन और उस पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया ने इस बहस को नई दिशा दे दी है। मायावती ने बिना नाम लिए ऐसे आंदोलनों को 'मगरमच्छ के आंसू' और 'संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ' से जोड़ते हुए दलित समाज को सड़क की बजाय संविधान और न्यायपालिका के रास्ते पर चलने की सलाह दी। इसके जवाब में चंद्रशेखर ने कहा कि जब समाज पर अत्याचार हो रहा हो, तो केवल अदालतों का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है। यह विवाद केवल दो नेताओं की बयानबाजी नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की दलित राजनीति में नेतृत्व और रणनीति की नई लड़ाई का संकेत है।

मायावती का राजनीतिक दर्शन हमेशा सत्ता के जरिए सामाजिक परिवर्तन का रहा है। कांशीराम ने जिस 'मास्टर चाबी' का सिद्धांत दिया था, उसी को आगे बढ़ाते हुए मायावती लगातार कहती रही हैं कि सत्ता हासिल किए बिना बहुजन समाज का स्थायी उत्थान संभव नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि बसपा सड़क जाम, हिंसक प्रदर्शन और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी राजनीति में विश्वास नहीं करती। उनका कहना है कि गरीब, मजदूर और बेरोजगार नौजवान यदि आंदोलनों के दौरान मुकदमों में फंसेंगे, तो उनका भविष्य बर्बाद होगा और इसका सबसे ज्यादा नुकसान बहुजन समाज को ही उठाना पड़ेगा। यह संदेश केवल वर्तमान आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि 2027 के चुनाव से पहले बसपा की पूरी राजनीतिक रणनीति का संकेत भी माना जा रहा है। दिलचस्प यह है कि मायावती के इस बयान का समर्थन बीजेपी के वरिष्ठ नेता संगीत सोम ने भी किया। उन्होंने कहा कि समाज को दलालों और उकसाने वालों से बचना चाहिए। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के खिलाफ भी उन्होंने तीखा हमला बोला। इस समर्थन ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि लंबे समय से विपक्ष मायावती पर बीजेपी के प्रति अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाने का आरोप लगाता रहा है। हालांकि, बसपा लगातार इन आरोपों को खारिज करती रही है और खुद को सभी दलों से समान दूरी रखने वाली पार्टी बताती है।

अगर पिछले डेढ़ दशक का राजनीतिक इतिहास देखें, तो तस्वीर और भी रोचक दिखाई देती है। वर्ष 2007 में मायावती ने 'सर्वजन' सामाजिक इंजीनियरिंग के सहारे उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। यह बसपा का स्वर्णकाल माना जाता है। लेकिन 2012 में पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा पहली बार शून्य सीट पर पहुंची। 2017 विधानसभा चुनाव में पार्टी केवल 19 सीटों तक सिमट गई। 2019 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके बसपा ने 10 लोकसभा सीटें जरूर जीतीं, लेकिन गठबंधन ज्यादा समय नहीं चला। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट जीत सकी और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी फिर शून्य पर पहुंच गई। चुनावी आंकड़ों के अनुसार, 2007 में करीब 30 प्रतिशत वोट पाने वाली बसपा का वोट प्रतिशत अब लगभग 10 से 13 प्रतिशत के बीच सिमट चुका है। यह गिरावट दलित राजनीति में बदलते समीकरणों की सबसे बड़ी कहानी कहती है।

यहीं से चंद्रशेखर आजाद की राजनीति का विस्तार शुरू होता है। 2017 के सहारनपुर शब्बीरपुर हिंसा के बाद भीम आर्मी के जरिए उन्होंने दलित युवाओं के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल जाना, फिर बाहर आकर सीएए–एनआरसी विरोध प्रदर्शन, दलित अत्याचार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार सक्रिय रहना उनकी राजनीति का आधार बना। 2020 में आजाद समाज पार्टी का गठन और 2024 में नगीना लोकसभा सीट से अकेले चुनाव जीतना इस बात का संकेत था कि दलित राजनीति में अब नया नेतृत्व भी जगह बना रहा है। खास बात यह रही कि उन्होंने यह जीत किसी बड़े गठबंधन के बिना हासिल की। इसके बाद से वह उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार, पंजाब और दूसरे राज्यों में भी संगठन विस्तार की कोशिश कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दलित वोट अब पहले जैसा एकमुश्त नहीं रहा। जाटव समुदाय का बड़ा हिस्सा आज भी बसपा के साथ जुड़ा माना जाता है, लेकिन गैर–जाटव दलितों में पिछले एक दशक में बड़ा बदलाव आया है। एक हिस्सा बीजेपी की कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक प्रतिनिधित्व के कारण उसके साथ गया, जबकि दूसरा हिस्सा स्थानीय आंदोलनों और चंद्रशेखर जैसे नए नेताओं की ओर आकर्षित हुआ। यही कारण है कि दलित राजनीति अब केवल बसपा बनाम बाकी दल नहीं रह गई, बल्कि उसके भीतर भी प्रतिनिधित्व की नई लड़ाई शुरू हो गई है।

मायावती इस बदलाव को अच्छी तरह समझती हैं। यही वजह है कि पिछले कुछ महीनों में उन्होंने लगातार संगठन को मजबूत करने, अकेले चुनाव लड़ने और कार्यकर्ताओं को आंदोलन की बजाय बूथ स्तर पर जुटने का संदेश दिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि बसपा किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी और 2027 का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। पार्टी लगातार 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' और कानून–व्यवस्था को अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी बताकर पुराने सामाजिक समीकरणों को फिर से जीवित करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, चंद्रशेखर आजाद की राजनीति पूरी तरह आंदोलन आधारित दिखाई देती है। उनका तर्क है कि केवल चुनाव जीतने से सामाजिक न्याय नहीं मिलेगा, बल्कि सड़क पर संघर्ष भी जरूरी है। यही वैचारिक अंतर आज दोनों नेताओं के बीच सबसे बड़ा राजनीतिक फर्क बन गया है। एक तरफ मायावती संविधान, अदालत और सत्ता की राजनीति पर भरोसा जताती हैं, तो दूसरी तरफ चंद्रशेखर संविधान के साथ–साथ जन आंदोलन को भी बराबर जरूरी मानते हैं। ललिता गौतम हत्याकांड के बाद दोनों नेताओं की प्रतिक्रियाओं ने इस अंतर को पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट कर दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल 2027 को लेकर है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन राजनीतिक जमीन तैयार होनी शुरू हो चुकी है। बीजेपी लगातार तीसरी बार सत्ता बचाने की तैयारी में है, समाजवादी पार्टी 2024 की लोकसभा सफलता को विधानसभा में दोहराना चाहती है और कांग्रेस भी संगठन विस्तार में जुटी है। ऐसे में दलित वोट किस दिशा में जाएगा, यह चुनाव का निर्णायक कारक बन सकता है। यदि बसपा अपना पारंपरिक वोट बैंक बचाने में सफल रहती है, तो मुकाबला त्रिकोणीय बन सकता है। लेकिन यदि चंद्रशेखर गैर–जाटव दलित युवाओं और आंदोलनकारी राजनीति को और मजबूत आधार दे देते हैं, तो बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि अपने ही सामाजिक आधार के भीतर से खड़ी होती दिखाई दे सकती है। यानी, मौजूदा विवाद केवल एक बयान या एक आंदोलन का नहीं है। यह उस बड़े राजनीतिक परिवर्तन का संकेत है, जिसमें उत्तर प्रदेश की दलित राजनीति पहली बार दो अलग–अलग रास्तों के बीच खड़ी दिखाई दे रही है एक रास्ता मायावती का, जो सत्ता को परिवर्तन का माध्यम मानता है, और दूसरा चंद्रशेखर आजाद का, जो सड़क के संघर्ष को राजनीतिक ताकत में बदलना चाहता है। 2027 का चुनाव शायद यह तय करेगा कि बहुजन राजनीति की अगली पीढ़ी किस रास्ते पर आगे बढ़ेगी।

महिला आरक्षण, लोकसभा सीटों का विस्तार और लोकतंत्र

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी समावेशी भावना है। यह व्यवस्था केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संवैधानिक वादा भी है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी इसी वादे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या उनकी आबादी के अनुपात में बहुत कम रही है। इसलिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार स्वाभाविक रूप से स्वागत योग्य माना जाता है। यह केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी प्रश्न है।

लेकिन महिला आरक्षण की इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक नई बहस भी जन्म ले चुकी है। क्या महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए लोकसभा की कुल सीटों में भारी वृद्धि आवश्यक है? क्या मौजूदा 543 सीटों के भीतर ही यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संभावित वृद्धि दो अलग–अलग विषय हैं। महिला आरक्षण का संबंध निर्वाचित सीटों के आरक्षण से है, जबकि लोकसभा की सीटों का विस्तार भविष्य के परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा हुआ विषय है। फिर भी आम नागरिक के मन में यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यदि आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है, तो क्या इसके लिए संसद का आकार बढ़ाना अनिवार्य है?

लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल अधिक सांसद होना नहीं है। लोकतंत्र की सफलता इस बात से मापी जाती है कि जनप्रतिनिधि कितने उत्तरदायी हैं, संसद में कितनी गंभीर बहस होती है, कानून कितनी गुणवत्ता से बनते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान कितना प्रभावी ढंग से होता है। यदि केवल संख्या बढ़ाने से लोकतंत्र मजबूत होता, तो दुनिया के सबसे बड़े संसद वाले देश स्वतः सबसे बेहतर लोकतंत्र भी होते। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

भारत में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है।

हालांकि इस विषय पर यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि अक्सर सार्वजनिक चर्चा में सांसदों के वेतन और सरकारी खर्च के बारे में कई दावे किए जाते हैं, जिनके वास्तविक आंकड़े अलग हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आर्थिक तर्क को प्रमाणित सरकारी आँकड़ों के आधार पर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक विमर्श तथ्यों पर आधारित होना चाहिए, अतिशयोक्ति पर नहीं।

महिला आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि बिना संवैधानिक गारंटी के राजनीतिक दल महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं देंगे। पिछले सात दशकों का अनुभव भी यही बताता है कि अधिकांश दल चुनावों में महिलाओं को सीमित अवसर देते रहे हैं। इसलिए आरक्षण आवश्यक है। यह तर्क मजबूत और ऐतिहासिक अनुभव पर आधारित है।

लेकिन दूसरी ओर एक चिंता यह भी व्यक्त की जाती है कि क्या आरक्षण का लाभ वास्तव में समाज के अंतिम पायदान की महिलाओं तक पहुंचेगा? भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना आज भी अत्यधिक संसाधन–आधारित प्रक्रिया है। ऐसे में संभावना रहती है कि टिकट वितरण में राजनीतिक परिवारों, प्रभावशाली नेताओं, आर्थिक रूप से सक्षम उम्मीदवारों अथवा पहले से प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्राथमिकता मिले। यदि ऐसा होता है, तो ग्रामीण, गरीब, किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा।

यह चुनौती केवल महिला आरक्षण की नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की समग्र संरचना की है। जब तक राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व के अवसर नहीं देंगे, तब तक केवल संवैधानिक आरक्षण से अपेक्षित परिवर्तन सीमित रह सकता है। वास्तविक महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल संसद तक पहुँचाना नहीं, बल्कि निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति देना भी है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना से जुड़ा है। लगभग सभी दल महिला सम्मान और महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, लेकिन टिकट वितरण, संगठनात्मक पदों और शीर्ष नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित दिखाई देती है। यदि राजनीतिक दल स्वयं अपनी कार्यप्रणाली में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएँ, तो लोकतांत्रिक संस्कृति अधिक मजबूत होगी।

लोकसभा की सीटों में संभावित वृद्धि का एक दूसरा आयाम संघीय संतुलन भी है। परिसीमन के बाद जनसंख्या के आधार पर राज्यों के प्रतिनिधित्व में परिवर्तन हो सकता है। इससे विभिन्न राज्यों के बीच राजनीतिक शक्ति का संतुलन प्रभावित होने की संभावना पर भी विशेषज्ञ चर्चा करते रहे हैं। इसलिए यह केवल संसद की संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय संघीय व्यवस्था का भी विषय है। ऐसे निर्णय व्यापक राष्ट्रीय सहमति और गंभीर विमर्श के आधार पर ही लिए जाने चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र की एक और चुनौती हैकृजनप्रतिनिधियों के प्रति जनता का घटता विश्वास। संसद में व्यवधान, राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप, विधेयकों पर सीमित चर्चा और चुनावी राजनीति का बढ़ता प्रभाव लोगों के मन में यह प्रश्न पैदा करता है कि क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ अपनी सर्वोत्तम क्षमता से काम कर रही हैं? यदि जनता पहले से ही प्रतिनिधियों की जवाबदेही पर प्रश्न उठा रही है, तो संख्या बढ़ाने से पहले जवाबदेही बढ़ाने पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

लोकतंत्र में गुणवत्ता, संख्या से अधिक महत्वपूर्ण होती है। यदि संसद की कार्यवाही अधिक प्रभावी हो, संसदीय समितियाँ बेहतर ढंग से काम करें, सांसद अपने क्षेत्रों में अधिक सक्रिय रहें और कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बने, तो जनता का विश्वास स्वतः बढ़ेगा। केवल अधिक सांसद होने से लोकतंत्र अधिक उत्तरदायी नहीं हो जाता।

महिला आरक्षण को लेकर एक सकारात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक है। महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने से संसद में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिला सुरक्षा, बाल अधिकार, सामाजिक न्याय और परिवार से जुड़े विषयों पर अधिक संवेदनशील बहस होने की संभावना रहती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से नीति–निर्माण में विविध दृष्टिकोण शामिल होते हैं। इसलिए महिला प्रतिनिधित्व का विस्तार लोकतंत्र के लिए लाभकारी हो सकता है।

लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यह प्रतिनिधित्व केवल प्रतीकात्मक न रहे। महिलाओं को केवल चुनाव लड़ने का अवसर ही नहीं, बल्कि संसदीय समितियों, मंत्री परिषदों, नीति आयोगों और राजनीतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व में भी समान अवसर मिलें। तभी आरक्षण अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा।

यदि वर्तमान 543 सीटों के भीतर 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा सकता है, तो यह विकल्प भी गंभीर चर्चा का विषय होना चाहिए। इससे महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी बढ़ेगा और अतिरिक्त प्रशासनिक खर्च की आवश्यकता भी कम होगी। वहीं यदि भविष्य में परिसीमन के संवैधानिक प्रावधानों के कारण सीटों की संख्या बढ़ती है, तो उसके औचित्य, आर्थिक प्रभाव और लोकतांत्रिक लाभों पर भी सरकार को स्पष्ट और पारदर्शी संवाद करना चाहिए।

लोकतंत्र में असहमति विरोध नहीं होती, बल्कि नीति निर्माण को बेहतर बनाने का माध्यम होती है। महिला आरक्षण का समर्थन करते हुए भी उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर प्रश्न उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है। इसी प्रकार सीटों की संभावित वृद्धि का समर्थन या विरोध भी तथ्यों, संवैधानिक प्रावधानों और सार्वजनिक हित के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक आग्रहों के आधार पर।

अंततः भारत को ऐसे लोकतंत्र की आवश्यकता है जहाँ प्रतिनिधित्व भी बढ़े, जवाबदेही भी मजबूत हो और सार्वजनिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग भी सुनिश्चित हो। महिलाओं की भागीदारी लोकतंत्र को समृद्ध बनाएगी, इसमें कोई संदेह नहीं। किंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि लोकतांत्रिक सुधार जनता के विश्वास, आर्थिक संतुलन और संवैधानिक मूल्यों को साथ लेकर आगे बढ़ें।

महिला आरक्षण का उद्देश्य अधिकार देना है, न कि केवल संख्या बढ़ाना। यदि यह उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था के भीतर अधिक प्रभावी ढंग से पूरा हो सकता है, तो उस विकल्प पर गंभीर विचार होना चाहिए। और यदि सीटों की संख्या बढ़ाना अपरिहार्य हो, तो उसके पीछे के कारण, लाभ और वित्तीय प्रभाव जनता के सामने पूरी पारदर्शिता के साथ रखे जाने चाहिए। लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार जनता का विश्वास है, और यह विश्वास तभी मजबूत होता है जब निर्णय संवाद, तर्क और उत्तरदायित्व के साथ लिए जाएँ।

इथेनॉल के भ्रम, सरकार और उपभोक्ता

—दिनेश सी शर्मा—

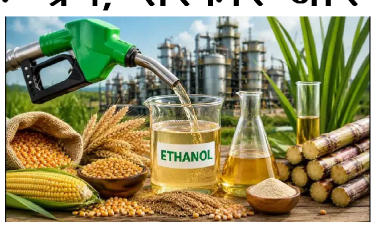

अगर इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल से कारों की ईंधन दक्षता कम होती है तो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। कृषि–खाद्य विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा। किसान खाद्य फसलों के बजाय ज्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल को तेजी से बढ़ावा देने की सरकारी नीति हाल के हफ्तों में लोगों की कड़ी आलोचना का निशाना है, हालांकि, यह नीति 2022 से लागू है। 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का मूल लक्ष्य 2030 तक हासिल करना था, लेकिन समयपूर्व 2025 कर दिया गया।

इस नीति के फायदों के बारे में कई दावे किए जा रहे हैं ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत से लेकर किसानों के कल्याण तक। फिर भी, वाहन मालिक इंजन खराब होने और माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं। अपने बचाव में, सरकार का कहना है कि यह नीति सबूतों पर आधारित है और डेटा समर्थित है, जिसमें अधिकांशतः पेट्रोलियम संगठनों के बेनामी और अप्रकाशित अध्ययनों का हवाला दिया गया है।

वाहनों पर इथेनॉल–मिश्रित ईंधन के असर के दावों को साबित करने के लिए कोई स्वतंत्र अथवा विशेषज्ञों द्वारा जांचा–परखा अध्ययन मौजूद नहीं है। अगर इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाली कारों की फ्यूल एफिशिएंसी (ईंधन दक्षता) कम हैकृजैसा कि अब कार निर्माता भी मान रहे हैंकृऔर इंजन खराब हो रहे हैंकृजैसा कि वाहन मालिक शिकायत कर रहे हैंकृतो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। इसके अलावा, कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा, क्योंकि किसान खाद्य फसलों के बजाय ज्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल की बढ़ती मांग के मद्देनजर निर्माता कंपनियां मक्का और चावल का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर कर रही हैं। सरकार को नीति के लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट होना जरूरी है और इसके फायदों के बारे में ठोस सबूत पेश करने चाहिए, न कि आलोचकों पर गलत इरादे का आरोप मढ़ देना या इसके नकारात्मक प्रभावों को लेकर लोगों के गुस्से को नजरअंदाज करना।

लोग अक्सर ब्राजील का उदाहरण देते हैं, जहां 1980 के दशक में इथेनॉल मिश्रण शुरू किया गया था। इसके दीर्घकालीन असर अब जाकर सामने आ रहे हैं। यह नीति 1970 के दशक में चीनी के फालतू उत्पादन का सीधा नतीजा थी और इसे चीनी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया था। पिछले चार दशकों में, इसने वहां जमीन के इस्तेमाल में भारी बदलाव किया है, नतीजतन, ईंधन फसलों के लिए जगह बनाने के वास्ते अमेजन के जंगलों की कटाई के कारण भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ है। वैसे भी, बड़े पैमाने पर ऊर्जा फसलों की खेती के लिए भारत की जलवायु और मिट्टी की स्थिति ब्राजील जैसी नहीं है। किसी भी नई तकनीक की तरह, ग्रीन तकनीक को भीकृ चाहे वह इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल हो या इलेक्ट्रिक गाड़ियांकृव्यापक पैमाने पर लागू करने पर अनचाहे बुरे असर हो सकते हैं। जैसे किसी नई वैक्सीन या दवा को लाने से पहले क्लिनिकल ट्रायल किए जाते हैं, वैसे ही सभी नई तकनीकों का अलग–अलग स्थितियों में कुछ समय तक फील्ड–टेस्ट किया जाना चाहिए, और उससे मिले डेटा का विश्लेषण करवाने को स्वतंत्र विशेषज्ञों को दिया जाए।

परिवहन अर्थव्यवस्था का एक अहम अंग है, और किसी भी नई तकनीक को लागू करने से पहले उसकी कई पहलुओं से जांच होनी चाहिए और सिर्फ वाहन निर्माता ही नहीं, बल्कि सभी हितधारकों के साथ उस पर चर्चा होनी चाहिए। यह काफी चौंकाने वाली बात है कि सरकार ने अपने बचाव में वाहन निर्माता कंपनियों को उन शिकायतों का जवाब देने के लिए बुलायाकृजो वाहन का उपयोग करने वाले कह रहे हैं जैसे कि माइलेज में कमी और गाड़ियों के धातु एवं रबर पुर्जों का खराब होना। दुनिया भर में वाहन निर्माता डेटा में हेरफेर करने के लिए कुख्यात हैं, जैसा कि 2015 में अमेरिका में फॉक्सवैगन एमिशन स्कैंडल में यह सामने आया था। कार बनाने वाली इस कंपनी ने अपनी कारों के डीजल इंजन को कुछ इस तरह प्रोग्राम किया था कि टेस्टिंग के दौरान उत्सर्जन सीमा नियंत्रण में दिखे ताकि नियामक मानकों पर खरा उतरता दिखाई देय नतीजतन, 40 गुना ज्यादा प्रदूषण पैदा करने वाली कारों को भी मानकों के भीतर पाया मानकर स्वीकृति दे दी गई।

अगर पेट्रोलियम मंत्री के दावे के मुताबिक इथेनॉल नीति वाकई वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है, तो सरकार को उन तमाम अध्ययनों के नतीजे सार्वजनिक करने चाहिए, जो ईंधन की क्षमता, अलग–अलग पुर्जों और इंजन पर मिश्रित ईंधन के दीर्घकालीन प्रभाव और अलग–अलग तरह की गाड़ियों पर अलग–अलग परिचालन स्थितियों में परीक्षण डेटा को जांचने के लिए किए गए हों। इसके अलावा, हमें इथेनॉल–मिश्रित ईंधन के पर्यावरण के अनुकूल होने के बारे में वैज्ञानिक सुबूत चाहिए, जो कि इथेनॉल के संपूर्ण पर्यावरणीय एवं कार्बन फुटप्रिंट पर आधारित हो कृ यानी कच्चे ईंधन के उत्पादन से लेकर कारों में वास्तविक इस्तेमाल होने तक। फिर, हमें मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल करने पर लागत–लाभ विश्लेषण की जरूरत है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि माइलेज गिरने की चिंताएं हैं। अगर माइलेज 5 प्रतिशत भी कम हो जाती है और कार उपयोग करने वालों को ज्यादा पेट्रोल खरीदना पड़ता जाए, तो आर्थिक फायदों और विदेशी मुद्रा की बचत के दावे हवा हो जाते हैं।

दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी के मामले में भी ऐसी ही बातें लागू होती हैं। यह पॉलिसी मुख्यतः दुपहिया और तिपहिया केंद्रित है। इसमें पेट्रोल से चलने वाली नई मोटरसाइकिलों और आटो–रिक्शा के पंजीकरण को बंद करने की समय–सीमा तय कर दी गई है। मुख्यमंत्री के दावे में इस कदम को सही ठहराने के लिए चुनिंदा डेटा का सहारा लिया है।

दरअसल, दिल्ली में कुल गाड़ियों में दुपहिया का अंश 62 फीसदी है, लेकिन वाहन चालन से पैदा होने वाले पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) उत्सर्जन में उनका अंश मात्र 15 प्रतिशत है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरु के गुफरान बेग द्वारा प्रकाशित 2025 नीति सारांश अनुसार, हल्के और भारी व्यावसायिक वाहनों का अंश परिवहन उत्सर्जन में 39 प्रतिशत है, जबकि शहर की कुल गाड़ियों में उनकी हिस्सेदारी 3 फीसदी से भी कम है। अतरू व्यावसायिक वाहनों और बसों से पैदा होने वाले उत्सर्जन को कम करने से पर्यावरण और इंसानी सेहत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। सार्वजनिक नीतियों में तथ्य आधारित क्रमबद्ध व्यवस्था का होना जरूरी होता है।

बिजली की बढ़ती खपत और बर्बादी

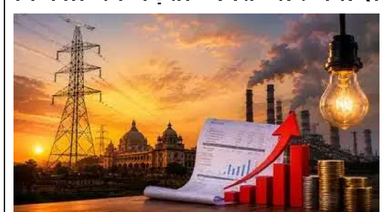

—राजन शर्मा—

गत कुछ वर्षों से भीषण गर्मी पड़ रही है और इसका प्रकोप हर साल बढ़ता जा रहा है। गर्मियों में कई इलाकों में तो तापमान 47 डिग्री सैल्सियस से भी ऊपर चला जाता है। अधिक गर्मी के कारण बिजली की खपत और डिमांड लगातार बढ़ रही है। यह बात भी सही है कि औद्योगिक क्रांति जरूरी है, क्योंकि जैसे–जैसे उद्योग अधिक लगेंगे, लोगों को रोजगार मिलेगा। जमीन का भी दाम बढ़ेगा। पर कहा जाता है कि जब कोई विकास होता है तो कुछ नुकसान भी होता है।

अगर गर्मियों में अब बिजली कुछ देर के लिए चली जाए तो बच्चे तो क्या, हम बड़े भी गर्मी सहन नहीं कर पाते क्योंकि पहले समय ऐसा होता था कि अगर गर्मियों में बिजली चली जाए तो लोग इकट्ठे होकर गलियों और बाग–बगीचों में जाकर बैठ जाते थे, मगर आज ऐसा बहुत कम है। जब बिजली कट लगते हैं तो बहुत सारे कारखानों में काम बंद हो जाता है, जिसका सारा बोझ कारखाने के मालिक पर पड़ता है। बहुत–सी दुकानें इस प्रकार के कारोबार की हैं, जिनका काम बिजली के बिना चलता ही नहीं। बिजली के कट लगने से किसानों को भी बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है।

आजकल हम सभी अपना सामाजिक स्तर ऊंचा करना या उच्च स्तर से भी और आगे का करना चाहते हैं। पहले घरों में ए.सी. नहीं होते थे, मगर अब एक कमरे में ए.सी. तो दूसरे कमरे में क्यों नहीं, को लेकर घरों और दफ्तरों में कई बार तल्खबाजी भी होती है। कोई समय था कि घर में एक 'टेबल फैन' आता था तो मोहल्ले के घरों में कुछ न कुछ मिठाई बांटी जाती थी और बच्चे 'टेबल फैन' के सामने एक लाइन में चारपाइयां लगा कर सोते थे। कई बार बच्चे 'फैन' के सबसे पहले वाली चारपाई पर लेटने के लिए लड़ पड़ते थे। मगर आज घरों में लगातार ए.सी. लग रहे हैं। दफ्तरों में ए.सी. की भरमार है।

कहने का तात्पर्य यह है कि हम आजकल बिजली पर काफी निर्भर हैं। बिजली के जो कट लगते हैं, उनके लिए केवल बिजली विभाग, बिजली बोर्ड, बिजली कम्पनियों वाले या सरकार नहीं, बल्कि हम उपभोक्ता भी जिम्मेदार हैं। कई स्थानों पर तो एक स्विच से ही 2–2 पंखे या 2–2 बल्ब–ट्यूब लाइट्स आदि इकट्ठे चलते होते हैं। कई बार एक पंखे या एक ही ट्यूब लाइट की जरूरत होती है, पर बिना जरूरत के अधिक यंत्र चलने पर बिजली बर्बाद होती है। कोशिश करें कि एक स्विच से एक ही उपकरण चलाया जाए। हमें चाहिए कि बिना जरूरत बिजली बर्बाद न करें। हमें बिजली बचत हेतु आगे आना पड़ेगा। कभी भी गर्म पानी, गर्म दूध या कोई अन्य खाने वाला पदार्थ बिना ठंडा किए फ्रिज में न रखें और न ही फ्रिज में से कोई खाने वाला ठंडा पदार्थ एकदम गर्म करने के लिए गैस आदि पर रखें।

अयोध्या-मथुरा-काशी के बारे में क्या सोचते युवाओं का रोजगार खाने वाले -योगी

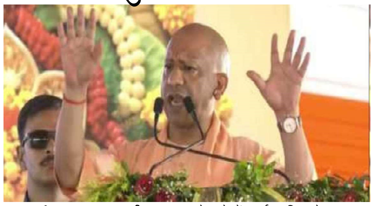

संवाददाता—कुशीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो नौजवान का रोजगार छीनने का पाप करते थे, वे लोग अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। सोच ही नहीं सकते थे। ये लोग मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाते थे। मंदिरों पर कब्जा करवाते थे और अब कब्जा नहीं बल्कि उन मंदिरों का पुनरुद्धार हो रहा है, सौंदर्यीकरण हो रहा है। पहले मंदिरों के नाम पर आने वाला पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वाल के नाम पर खर्च करने वाले लोग आज हमें विकास के बारे में आईना दिखाने का काम कर जो शोभा नहीं देता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को कुशीनगर के टेकुआटार के दुलहिन जगन्नाथ कुंवरि इंटर कॉलेज के मैदान में 525 करोड़ रुपये की लागत से 464 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं के लिए स्थानीय लोगों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परियोजनाएं रामकोला, हाटा और कुशीनगर विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित हैं।

मुख्यमंत्री ने कुशीनगर में कृषि विवि व मेडिकल कॉलेज आदि की सुविधाएं गिनाते हुए कहा कि यहां का इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शुरू हो गया होता मगर नये एयरक्राफ्ट मिलने में वैश्विक उथल पुथल के कारण देर हो गयी। पहले कोरोना महामारी व इसके बाद रुस यूक्रेन तथा अमेरिका इजराइल ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में उथल पुथल है। यीएम ने कुशीनगर के लोगों को आश्वस्त किया कि जल्द ही नये एयरक्राफ्ट मिल जाएंगे। इसके बाद कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी जल्द शुरू हो जाएगा। यहां से जेवर व गया के एयरपोर्ट को भी जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कुशीनगर इंसेफेलाइटिस (दिमागी बुखार), पिछड़ेपन और पलायन जैसी गंभीर समस्याओं के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार की प्रभावी रणनीति और निरंतर प्रयासों से इस चुनौती पर निर्णायक नियंत्रण स्थापित किया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, स्वच्छता, टीकाकरण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से इंसेफेलाइटिस के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जो लोग वर्षों तक गरीबों के नाम पर राजनीति करते रहे, उन्होंने मुसहर समाज जैसे वंचित वर्गों को मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रखा। वर्तमान सरकार ने ऐसे परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कानून—व्यवस्था पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति दोहराते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में गुंडागर्दी और दंगाइयों के लिए कोई स्थान नहीं उत्तर प्रदेश आज दंगा मुक्त राज्य के रूप में स्थापित हुआ है। नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा का जिक्र करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा, रामनवमी, जन्माष्टमी, होली सहित सभी प्रमुख त्योहार विभिन्न समुदायों द्वारा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षा से जुड़े कर्मियों के सामाजिक सुरक्षा कवच को मजबूत करने की भी घोषणा की। बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ड्यूटी के दौरान आपदा या दुर्घटना में शिक्षकों के परिवार को 80 लाख से 1.5 करोड़ रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। वहीं, शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के लिए 30 लाख से 80 लाख रुपये तथा रसोइयों के लिए 2 लाख रुपये के सुरक्षा बीमा कवर की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर को कनेक्टिविटी, पर्यटन, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को और सशक्त बनाने तथा इसे जेवर और गया से जोड़ने की तैयारी चल रही है। नए विमान उपलब्ध होने के बाद हवाई सेवाओं का विस्तार होगा। खड्डा क्षेत्र में नारायणी नदी पर लगभग 800 करोड़ रुपये की लागत से नए सेतु का निर्माण कराया गया है, जबकि रामकोला—कसया मार्ग के चौड़ीकरण का प्रस्ताव भी जल्द मंजूर किया जाएगा।

खाद वितरण के दौरान भाजपा नेता पर धारदार हथियार से हमला

संवाददाता—महराजगंज। थाना चौक क्षेत्र के मधुबनी साधन सहकारी समिति केंद्र पर शनिवार को खाद वितरण के दौरान विवाद के बीच भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मिठौरा एवं पूर्व प्रधान मधुबनी संतमुनि तिवारी पर कुछ लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। मौके पर मौजूद किसानों के हस्तक्षेप से उनकी जान बच गई। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा—तफरी का माहौल बन गया।खाद वितरण के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कुछ लोगों ने धारदार हथियार (बकुआ) से संतमुनि तिवारी पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद किसानों ने बीच—बचाव कर किसी तरह उन्हें सुरक्षित बचाया।

घटना के बाद संतमुनि तिवारी ने चौक थाने में तहरीर देकर आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष मनीष पटेल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर के आधार पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बारिश में सांपों का खतरा बढ़ा, 36 घंटे में पहुंचे 30 स्नेक बाइट के मरीज

संवाददाता—कुशीनगर। बरसात के साथ जिले में स्नेक बाइट (सर्पदंश) के मामलों में तेजी से इजाफा होने लगा है। खेतों में पानी भरने और बिलों में पानी जाने के कारण सांप रिहायशी इलाकों की ओर निकल रहे हैं। इसका असर मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भी देखने को मिल रहा है। स्वशासी मेडिकल कॉलेज में बीते 36 घंटे के भीतर स्नेक बाइट के 30 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। राहत की बात यह है कि मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए करीब पांच हजार वायल एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) उपलब्ध है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार, 20 मई से 20 जून के बीच स्नेक बाइट के 255 मरीज इलाज के लिए पहुंचे थे। अब लगातार हो रही बारिश के बाद मामलों में और तेजी आने लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई और अगस्त में यह संख्या और बढ़ सकती है, इसलिए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। बारिश के दौरान खेतों, झाड़ियों, लकड़ी और भूसे के ढेर, जलभराव वाले स्थानों तथा घरों के आसपास सांपों के निकलने की संभावना अधिक रहती है। ऐसे में किसानों, मजदूरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

मेडिसिन विभाग डॉ. उपेंद्र चौधरी का कहना है कि सांप काटने के बाद घबराने के बजाय मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाना चाहिए। झाड़फूंक, ताबीज या घरेलू उपचार के चक्कर में समय गंवाना जानलेवा साबित हो सकता है। समय पर एंटी स्नेक वेनम मिलने से अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि सांप काटने पर मरीज को शांत रखें और अधिक चलने—फिरने न दें। प्रभावित अंग को स्थिर रखें, लेकिन बहुत कसकर कपड़ा या रस्सी न बांधें। जड़ी—बूटी, चीरा लगाने या जहर चूसने जैसी गलत विधियां बिल्कुल न अपनाएं। जितनी जल्दी संभव हो मरीज को मेडिकल कॉलेज या नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग या पहचान याद रखें, लेकिन उसे पकड़ने का प्रयास न करें। उन्होंने बरसात दिनों में बचाव की जरूरी सलाह साझा की है। उनका कहना है कि रात में टॉर्च का उपयोग करके ही बाहर निकलें। खेतों में काम करते समय लंबे जूते और दस्ताने पहनें। घर के आसपास झाड़ियां, कचरा और जलभराव न होने दें। जमीन पर सोने से बचें तथा बच्चों को खुले स्थानों पर नंगे पैर न चलने दें।

किसान को खा गया बाघ, कमर से नीचे का हिस्सा नोंचा, 8 घंटे बाद 4 किमी दूर मिला अधखाया शव

संवाददाता—बहराइच। कतर्नियाघाट में बाघ ने किसान को शिकार बनाया। मवेशी चराने गए व्यक्ति को गर्दन से खींचकर झाड़ियों में ले गया। दोनों पैर खाकर जंगल में छोड़ा करीब 8 घंटे तक तलाश करने के बाद देर रात 4 किलोमीटर दूर मिला शव। सूचना मिलने के बाद मूर्तिहा कोतवाल वन विभाग के कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण संयुक्त रूप से जंगल में तलाश के लिए निकले। वह मवेशी चराने जंगल गए एक किसान की बाघ के हमले में दर्दनाक मौत हो गई। वन विभाग, पुलिस और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से तलाश शुरू की। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर मूर्तिहा कोतवाली क्षेत्र के धर्मपुर बेझा गांव के रहने वाले किसान दशरथ यादव (48) शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे रोज की तरह अपने मवेशियों को चराने के लिए ककरहा रेंज के जंगल में गए थे। परिवार को उम्मीद थी कि वह शाम तक लौट आएंगे, लेकिन रात आठ बजे तक घर नहीं पहुंचे। काफी देर तक इंतजार के बाद परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग और स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीमें सक्रिय हो गईं। करीब रात दस बजे जंगल के अंदर लगभग चार किलोमीटर दूर दशरथ यादव का शव बरामद हुआ। शव की हालत देखकर हर कोई सन्न रह गया। ग्रामीणों के अनुसार, जंगली जानवर शव का एक पैर खा चुका था। मौके का मंजर देखकर परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातम छा गया।

प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मवेशी चराने के दौरान जंगली जानवर, संभवतः बाघ के हमले में ग्रामीण की मौत होना सामने आया है। वन विभाग पूरे मामले की जांच कर रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे घने जंगलों में अकेले न जाएं और वन क्षेत्र में सतर्कता बरतें। विभाग की टीमें इलाके में लगातार निगरानी कर रही हैं ताकि किसी अन्य घटना को रोका जा सके। मृतक दशरथ के भाई ओंकार यादव ने बताया कि उनके भाई खेत में धान की बियाड़ देखने गए थे वो रात तक वापस नहीं लौटे तो हम लोग उन्हें ढूंढने गए तो देखा उनका शव पड़ा हुआ था मौके पर बाघ भी मौजूद था हम लोगों में हांका लगाया जिसके बाद बाघ वहां से चला गया फिर हम लोग उनके शव को लेकर आए।

घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस और वन विभाग संयुक्त रूप से पूरे घटनाक्रम की जांच कर रहे हैं। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग से लगे गांवों में पहले भी वन्यजीवों की आवाजाही की घटनाएं सामने आती रही हैं। अब दशरथ यादव की मौत के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों का कहना है कि रोजी—रोटी के लिए उन्हें जंगल के किनारे जाना पड़ता है, लेकिन लगातार बढ़ रहे वन्यजीवों के हमलों ने उनकी चिंता और असुरक्षा दोनों बढ़ा दी हैं। वहीं वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने की अपील की है।

मां की ममता पर दादा-दादी का स्नेह पड़ा भारी, आंख में आंसू लेकर लौटी मां

संवाददाता—देवरिया। जिले के मईल थाने में शनिवार को अजीबो—गरीब मामला पहुंचा। एक विधवा मां अपने दोनों बेटों को पाने के लिए अपने पिता के साथ थाने पहुंची, पुलिस ने दोनों बेटों को बुलाया और मां के साथ जाने की बात कही। लेकिन यहां मां की ममता पर दादा—दादी का प्रेम व स्नेह भारी पड़ गया। मां के साथ जाने की बजाय दोनों ने दादा—दादी के साथ रहने की जिद कर डाली। एक घंटे तक मान—मनौव्वल हुआ, लेकिन बात नहीं बन पाई। अंत में मां व नाना अपने आंखों में आंसू लिए थाने से ही विदा हो गए। बलिया जनपद के उभांव थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने अपनी बेटी की शादी मईल थाना क्षेत्र के भागलपुर निवासी से की थी।

2018 में पति इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। महिला के 10 वर्ष व आठ वर्ष के दो बेटे हैं। मां उन्हें कभी मायके में तो कभी ससुराल में रखती थी। डेढ़ वर्ष पहले दोनों को छोड़ कर मां अपने मायके चली गई। अब वह अपने बेटों को अपने साथ रखने की जिद कर रही है, लेकिन वह दोनों उसके साथ रहने से इन्कार कर दिए हैं। मामला शनिवार को थाने में पहुंच गया। उस समय थाने में तहसीलदार बरहज अरुण कुमार व थानाध्यक्ष विकास नाथ लोगों की परिवाद सुन रहे थे। मां ने कहा कि मेरे बेटों को मुझे सास—ससुर से दिला दीजिए, हम उनके बगैर नहीं रह सकते। थानाध्यक्ष ने दोनों बेटों को दादा—दादी के साथ थाने में बुला लिया। दोनों केवल एक ही स्वर में बोलने लगे कि मेरे दादा—दादी हमें बहुत स्नेह देते हैं, पढ़ाई से लेकर सभी सुविधाएं बेहतर दिए हैं, इसलिए हम मां के साथ जाने की बजाय अपने दादा—दादी के साथ ही रहेंगे। काफी देर तक मामला चलता रहा। बाद में कुछ लोगों ने महिला को न्यायालय की शरण में जाने की सलाह दी। इसके बाद वह आंखों में आंसू लिए मायके लौट गई।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विराजे श्रीसीताराम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या के जानकीघाट स्थित श्री सीता निवास मंदिर में संपन्न हुई माता—पिता की प्राण प्रतिष्ठा।भगवान श्रीराम एवं माता सीता के दिव्य विग्रह की प्राण—प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और संतों के मंगल आशीर्वाद के बीच अत्यंत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुई। पूर्वाचार्य ब्रह्मलीन महंत त्रिवेणी दास महाराज की प्रेरणा और संकल्प को साकार करते हुए आयोजित इस भव्य प्राण—प्रतिष्ठा महोत्सव ने आध्यात्मिक आस्था, गुरु—शिष्य परंपरा और सनातन संस्कृति की गरिमा को नई ऊंचाई प्रदान की।कार्यक्रम का संयोजन ब्रह्मलीन महंत त्रिवेणी दास महाराज के शिष्य, श्री सीता निवास सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं वर्तमान पीठाधीश्वर महंत अवनीश दास महाराज के सानिध्य में हुआ। मंदिर के नवनिर्माण और प्राण—प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने में ट्रस्ट के संरक्षक एवं मुख्य ट्रस्टी उदय प्रकाश सिंह, डॉ. श्यामा सिंह, नीरज श्रीवास्तव तथा उनकी धर्मपत्नी विनीता श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने मुख्य यजमान के रूप में वैदिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

प्राण—प्रतिष्ठा के उपरांत ट्रस्ट के संरक्षक उदय प्रकाश सिंह ने कहा कि उनके पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत त्रिवेणी दास महाराज का स्पष्ट आदेश था कि श्री सीता निवास मंदिर का भव्य स्वरूप में पुनर्निर्माण कराया जाए तथा माता सीता और प्रभु श्रीराम की विधिवत प्राण—प्रतिष्ठा संपन्न हो। उन्होंने बताया कि गुरुदेव के उसी आदेश को जीवन का संकल्प मानकर वर्तमान पीठाधीश्वर महंत अवनीश दास महाराज के मार्गदर्शन एवं सहयोग से मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। वर्षों के अथक परिश्रम, संतों के आशीर्वाद और श्रद्धालुओं के सहयोग से यह संकल्प अब पूर्ण हुआ है।उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षों का निर्माण भी पूरा हो चुका है, जिससे अयोध्या आने वाले भक्तों को आवास की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने जानकारी दी कि मंदिर परिसर में शिव मंदिर तथा पीछे के शेष भाग का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा, ताकि श्री सीता निवास मंदिर एक पूर्ण धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो सके।प्राण—प्रतिष्ठा महोत्सव में श्रीरामवल्लभकुंज के श्रीमहंत रामशंकर दास वेदांती, अधिकारी राजकुमार दास, मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास सहित अयोध्या के अनेक संत—महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी संतों का पारंपरिक रीति से स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी भाग लेकर भगवान श्रीसीताराम के दर्शन किए और धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की।समापन अवसर पर उदय प्रकाश सिंह ने सभी संत—महात्माओं, श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सीता निवास मंदिर सनातन संस्कृति, सेवा, साधना और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बने, यही उनके गुरुदेव के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महंत अवनीश दास महाराज के नेतृत्व में मंदिर निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और देश—विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा।

जिला मुख्यालय पर कांग्रेस का प्रदर्शन होगा ऐतिहासिक –वीरेंद्र चौधरी

संवाददाता—महराजगंज।13 जुलाई को जिला मुख्यालय पर प्रस्तावित कांग्रेस के प्रदर्शन एवं सभा को सफल बनाने के लिए फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी के कार्यालय पर तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट ने की, जबकि मुख्य अतिथि फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी रहे। कार्यक्रम का संचालन विधानसभा प्रभारी राजन शुक्ला ने किया।

विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि महराजगंज जिले में कांग्रेस लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को 5.60 लाख वोट मिले, फरेंदा से कांग्रेस का विधायक है, सोनौली नगर पंचायत में कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष निर्वाचित हैं तथा जिले में आधा दर्जन जिला पंचायत सदस्य भी कांग्रेस से जुड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि 13 जुलाई का प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा और फरेंदा विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इसमें शामिल होकर कांग्रेस की ताकत का परिचय देंगे। जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट ने कहा कि जिले भर में कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संगठन के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव—गांव जाकर लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि जिला मुख्यालय पर होने वाला प्रदर्शन और सभा बेहद प्रभावी होगी। पूर्व जिलाध्यक्ष झिनकू चौधरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह साबित करना है कि भाजपा का वास्तविक विकल्प कांग्रेस ही है। उन्होंने कहा कि मौसम चाहे जैसा भी हो, कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ प्रदर्शन में भाग लें और इसे सफल बनाएं। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी राजन शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष डॉ. रामनारायण चौरसिया, जिला महासचिव चंदन तिवारी, हरिराम कनौजिया, जिला सचिव अमरमणि पासवान, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पासवान, वरिष्ठ नेता चुन्नू दुबे, उदय प्रताप सिंह, संदेश जायसवाल, प्रेम जायसवाल और नगर अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव, लक्ष्मीकांत तिवारी, राजकुमार यादव, शेषमणि यादव, जमील अहमद, रियाज अहमद, समसुल जोहा, मोहम्मद कैफ, पिंटू प्रसाद, मकसूद आलम, फखरुद्दीन खान समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं ने बताया कि 13 जुलाई के प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। कार्यकर्ता गांव—गांव जाकर लोगों से जिला मुख्यालय पहुंचने की अपील कर रहे हैं। पार्टी का दावा है कि प्रदर्शन में जिले के सभी ब्लॉकों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी होगी।

संगठन की मजबूती से ही बनेगी जीत की राह –अरविंद राजभर

संवाददाता—महराजगंज। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने शनिवार को फरेंदा के एक मैरेज हॉल में समीक्षा बैठक कर कार्यकर्ताओं में चुनावी जोश भरा। जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर राजभर की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन जिला प्रमुख महासचिव मनोज कुमार वरुण ने किया।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रमुख महासचिवध्पूर्व राज्यमंत्री अरविंद राजभर ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का मंत्र दिया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रमुख महासचिवध्पूर्व राज उपदपेजतम अरविंद राजभर ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर का कार्यकर्ता होता है। यदि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने गांव व बूथ पर सक्रिय रहकर जनता के बीच पार्टी की विचारधारा, सामाजिक न्याय व विकास के एजेंडे को पहुंचाएगा, तो वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सुभासपा एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरेगी। उन्होंने पदाधिकारियों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए संगठन विस्तार में पूरी सक्रियता से जुटने और नए लोगों को पार्टी से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी समाज के सभी वर्गों के सम्मान, अधिकार व विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यकर्ताओं को जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाकर उनके समाधान के लिए संघर्ष करना चाहिए। बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा कार्यकर्ताओं से सुझाव लेकर आगामी रणनीति पर भी चर्चा हुई। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव शक्ति सिंह, फरेंदा विधानसभा प्रभारी जितेंद्र सिंह, मंत्री प्रतिनिधि कबिलास राजभर, एमएलसी प्रतिनिधि विष्णु स्वरूप श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष जोगेंद्र राजभर, शैलेश गुप्ता, बच्चू लाल राजभर, बृजेश राजभर, राम किशुन राजभर, संतोष भारती, राजकुमार राजभर, हरिराम राजभर, सूर्य प्रकाश राजभर, बृजेश वर्मा, सत्यपाल वर्मा, ईश्वर राजभर, प्रदीप यादव, श्रीकांत यादव, पप्पू खान, रामनारायण सिंह, राजेश राजभर, रंजनी मदेशिया, नागेश्वर राजभर, रामदरश राजभर, रामदयाल सिंह, सुरेंद्र राजभर, अनसुइया राजभर, संघर्षी राजभर, उर्मिला राजभर, रीता यादव, सुनीता वर्मा, अंजू गुप्ता सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में बिस्तर पर अचेत मिला सिपाही, अस्पताल पहुंचते ही मौत

संवाददाता—कुशीनगर। पुलिस लाइन में तैनात सिपाही दिनेश यादव 35 शनिवार को सुबह बिस्तर पर अचेत मिला। उसे इलाज के साथी पुलिसकर्मी मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।मऊ जिले के मधुबन थानांतर्गत शिकरीकोल निवासी राम सूरत यादव का पुत्र दिनेश यादव 2016 बच का सिपाही था। जिले में 10 साल से उसकी तैनाती थी। 11 महीने से वह पुलिस लाइन में था। इससे पहले वह पी आर वी में तैनात था।शनिवार को सुबह गंगा बैरक से अन्य पुलिसकर्मी बाहर निकले लेकिन वह बिस्तर पर ही पड़ा था। अधिकारियों के निर्देश पर अन्य साथियों ने उसे जगाने का प्रयास किया मगर वह अचेत था।

आनन फानन उसे लाद कर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चेक अप के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को सूचना दी गई, जिस पर परिवार के लोग भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। राजकीय सम्मान के साथ पुलिस से उसके पार्थिव शरीर को गांव के लिए विदा किया जाएगा।

राम मंदिर ट्रस्ट में अयोध्या के संतों को मिले प्रतिनिधित्व, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री और यूपी के मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में अयोध्या के संतों और बलिदानी कारसेवकों के परिवारों को प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग तेज होने लगी है। इसी क्रम में सनातन रक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुंद माधव त्रिपाठी ने शनिवार को प्रमोद वन स्थित कृष्णानंद पैलेस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि उन्होंने इस संबंध में भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर ट्रस्ट में अयोध्या के संतों की भागीदारी बढ़ाने का आग्रह किया है।मुकुंद माधव त्रिपाठी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का 500 वर्षों का संघर्ष अयोध्या के संतों के नेतृत्व में चला है। इसलिए ट्रस्ट में स्थानीय संतों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना आवश्यक है। उन्होंने अपनी ओर से रामकोट स्थित श्री रंग महल के पीठाधीश्वर महंत रामशरण दास, जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य विद्या भास्कर जी महाराज तथा श्री राम वल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास के नाम सुझाते हुए कहा कि ये तीनों संत समाज में सम्मानित, निर्विवाद और सनातन धर्म के प्रति समर्पित हैं। सरकार चाहे तो अन्य योग्य संतों के नामों पर भी विचार कर सकती है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में ट्रस्ट में अयोध्या से केवल अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ही शामिल हैं, जबकि रामनगरी के संतों की संख्या और प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि भगवान श्रीराम की पूजा रामानंदी परंपरा के अनुसार होती है, इसलिए इस परंपरा से जुड़े संतों की भागीदारी ट्रस्ट में होना स्वाभाविक और आवश्यक है।मुकुंद माधव त्रिपाठी ने यह भी कहा कि ट्रस्ट में ऐसे लोगों को स्थान नहीं मिलना चाहिए जो भगवान राम के नाम पर राजनीति करते हैं। शंकराचार्यों को ट्रस्ट में शामिल किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अयोध्या के लिए उनका कोई विशेष योगदान नहीं रहा है, इसलिए इसकी आवश्यकता नहीं है।उन्होंने विश्वास जताया कि यदि ट्रस्ट में अयोध्या के संतों और स्थानीय प्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ेगी तो ट्रस्ट की गरिमा और विश्वसनीयता और मजबूत होगी। साथ ही रामभक्तों का विश्वास भी और सुदृढ़ होगा कि श्रीराम मंदिर का संचालन पूरी पारदर्शिता और संत परंपरा के अनुरूप हो रहा है।

गोरखपुर से आज सूबे में 33 करोड़ पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ करेंगे योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार की सुबह गोरखपुर से, प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ 2026 का शुभारंभ करेंगे। रविवार सुबह वह गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे भगवानपुर टोल प्लाजा गीडा सेक्टर 28 के समीप 08 बजे पौधरोपण करेंगे। यहां जनसभा कर वह प्रदेशवासियों को पौधरोपण महायज्ञ में जिम्मेदारीपूर्वक हिस्सेदारी करने का आह्वान करेंगे। पौधरोपण महायज्ञ के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, सांसद रवि किशन शुक्ला एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 9.25 बजे के करीब स्मार्टव्हील रामगढ़झील रिंग रोड के किनारे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाएंगे। पौधरोपण महाभियान में इस बार सूबे में 35 करोड़ एवं जनपद में 55 लाख पौध रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री, लिंक एक्सप्रेसवे भगवानपुर टोल प्लाजा सेक्टर 28 में समीप पवित्र त्रिवेणी (नीम, पीपल और बरगद) का पौधा लगा पौधरोपण महायज्ञ – 2026 का शुभारंभ करेंगे। यहां वन विभाग समेत विभिन्न विभागों के जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों के लगाए गए स्टॉल का अवलोकन करेंगे। उनके समक्ष उत्तर प्रदेश में नौ वर्ष की हरित गाथा फिल्म एवं वानिकी कैलेंडर का विमोचन करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसानों में पौधे और कार्बन क्रेडिट के तहत प्रमाण पत्र का वितरण करेंगे। मुख्य आयोजन से लौटते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 9.25 बजे ताल रिंग रोड के किनारे यह मौलश्री का पौधरोपण करेंगे। यहां उनके साथ प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, सांसद रवि किशन शुक्ला एवं समस्त जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। वन विभाग के संयोजन में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर निगम और गोरखपुर विकास प्राधिकरण की टीमें शनिवार दिन भर साफ सफाई में जुटी रहीं। इस लक्ष्य में गोरखपुर को 55 लाख 28 हजार 600 पौधरोपण की जिम्मेदारी मिली है। कुल 27 विभागों के सामंजस्य से होने वाले पौधरोपण महाभियान में सबसे बड़ा लक्ष्य वन विभाग के पास है। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी शुभम सिंह के मुताबिक शनिवार को सभी पौधशालाओं में गुणवत्तायुक्त पौधों का वितरण संबंधित विभाग और चिन्हित स्थलों पर किया गया। पौधों के बेहतर विकास एवं उत्तरजीविता के लिए चिन्हित रोपण स्थलों पर एडवांस सॉयल वर्क के तहत गड्ढा खुदाई, टॉप सॉयल की व्यवस्था, पौधरोपण स्थलों का विकास, पौध संरक्षण की आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारिया पहले ही पूर्ण कर ली गई हैं।

सीएम योगी ने आयुष यूनिवर्सिटी के हॉस्टल्स का किया लोकार्पण, पढ़ाई को लेकर स्टूडेंट्स से की चर्चा

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार शाम 4:53 बजे महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय पहुंचे। उन्होंने महंत अवेद्यनाथ बालक छात्रावास एवं राप्ती बालिका छात्रावास का बटन दबाकर शिलापट का अनावरण किया और इसके बाद फीता काटकर छात्रावासों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कुलपति डा. के. रामचंद्र रेड्डी एवं प्रदेश के आयुष मंत्री दयाशंकर दयालु ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री छात्रावास के भीतर पहुंचे और भूतल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कमरों, मेस और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। छात्र–छात्राओं को छात्रावास की चाबी सौंपते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मेस के संचालन, भोजन की गुणवत्ता और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं से भी संवाद किया। उन्होंने आयरा रमन, दिव्यांशु पटेल, शिवानी कुमार, शिवांगी यादव, साक्षी पांडेय और दिव्यांशी शर्मा सहित कई विद्यार्थियों से उनके कालेज और पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। आईटीएम आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल महाराजगंज और एसपीएम आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज, गोंडा के विद्यार्थियों से भी उन्होंने बातचीत की। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले आयुष मंत्री दयाशंकर दयालु ने कुलपति के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

छात्रावास की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी डा. रमाकांत द्विवेदी, डा. लक्ष्मी अग्निहोत्री ने संभाली। विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हाथों में स्वागत संदेश लिखी तख्तियां लेकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ल, विधायक महेंद्रपाल सिंह, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, सरवन निषाद, विमलेश पासवान एवं भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। छात्रावास के बाद मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन प्रेक्षागृह का निरीक्षण करने पहुंचे। इसके बाद 4.13 बजे बॉसस्थान प्रस्थान कर गए।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार, दो बाल अपचारी अभिरक्षा में

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। बरामद बाइक पर पहचान छिपाने के लिए बदली हुई नंबर प्लेट लगी मिली। प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान उपनिरीक्षक राजू रंजन सिंह की टीम ने बाल बुजुर्ग निवासी धीरज यादव उर्फ गोलू पुत्र संतराज यादव को गिरफ्तार किया। पूछताछ और जांच के दौरान उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद हुई (पुलिस के अनुसार बाइक की वास्तविक पहचान छिपाने के लिए उस पर दूसरी नंबर प्लेट लगाई गई थी। मामले में दो बाल अपचारियों की संलिप्तता सामने आने पर उन्हें भी अभिरक्षा में लेकर किशोर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार धीरज यादव के खिलाफ चौरीचौरा थाने में पहले से भी एक आपराधिक मुकदमा दर्ज है।

सीईओ को खुद सैलरी देगा ट्रस्ट

संवाददाता–अयोध्या। चढ़ावा चोरी जैसे जघन्य अपराध के बाद दुनिया भर में जिस तरह ट्रस्ट की फजीहत हुई है, उसे देखते हुए बड़े बदलाव की तैयारी तेज हो गई है। मंदिर की प्रशासनिक सहित सभी तरह की व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद करने और संचालन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को जवाबदेह बनाने के लिए ट्रस्ट सीईओ की नियुक्ति करने जा रहा है। एक रिटायर्ड और अच्छी छवि के सनातनी अफसर की तलाश तेज कर दी गई है। सीईओ की तनख्वाह ट्रस्ट देगा। यह माना जा रहा है कि 22 जुलाई को होने वाली बैठक में ट्रस्ट सीईओ के लिए चयनित तीन व्यक्तियों के नामों का पैनल रखेगा। इन पर चर्चा के बाद नए सीईओ के नाम का ऐलान हो सकता है। साथ ही ट्रस्ट में आमूल–चूल परिवर्तन किए जाएंगे। इसकी तैयारी भी तेज हो गई है। सीईओ को लेकर कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। चढ़ावा चोरी प्रकरण में जिस तरह एसआईटी ने कदम–कदम पर बरती गईं लापरवाहियों और गैरजिम्मेदाराना रवैये का उल्लेख रिपोर्ट में किया है, उससे ट्रस्ट के अस्तित्व पर सवालिया निशान लग गए हैं। पूरा विपक्ष एकजुट होकर ट्रस्ट को भंग करने की मांग पर अड़ा है। इस पूरे घटनाक्रम में ट्रस्ट की साख तार–तार हुई है। इसे दोबारा से प्रतिष्ठित करने के लिए ट्रस्ट में हर स्तर पर बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है।

मंत्री राजभर का अखिलेश पर हमला, उनसे हाथ मिलाने का भी रेट तय, सत्ता के लिए दिखा रहे सनातन प्रेम

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। यूपी के कैबिनेट मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने शुक्रवार को अंबेडकरनगर दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि अब समाजवादी पार्टी में भी वही व्यवस्था चल रही है, जो पहले बसपा में होती थी। राजभर ने दावा किया कि अखिलेश यादव से मिलने और हाथ मिलाने तक के लिए रेट तय है। राजभर ने अखिलेश यादव की संपत्ति को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राजनीति में आमतौर पर खर्च अधिक होता है, लेकिन इसके बावजूद अखिलेश यादव की संपत्ति लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ब्जब राजनीति में पैसा खर्च होता है, तो संपत्ति कम होनी चाहिए, लेकिन यहां तो संपत्ति दिन–दूनी, रात–चौगुनी बढ़ रही है। इसका जवाब कौन देगा? सपा प्रमुख के हालिया श्सनातनश् प्रेम पर भी राजभर ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो नेता पहले केवल तुष्टीकरण की राजनीति करते थे, वे अब अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख सनातन की बात करने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश है। राजभर ने अखिलेश यादव को ब्नकली समाजवादीश् बताते हुए कहा कि असली समाजवाद डॉ. राम मनोहर लोहिया का था, जिन्होंने नाम के पीछे से जाति हटाने की बात कही थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या अखिलेश यादव ने अपने नाम के आगे से श्यादवश हटाया है? सपा सरकारों के कार्यकाल का जिक्र करते हुए राजभर ने कहा कि प्रदेश ने समाजवादी पार्टी के शासन में दंगे, गुंडागर्दी, लूट और हत्याएं देखी हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता अब सब कुछ समझ चुकी है। सपा के श्पीडीएश् (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले पर भी राजभर ने तंज कसते हुए इसका नया अर्थ श्परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटीश् बताया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को केवल अपने परिवार के विकास की चिंता है, जनता के हितों से उसका कोई लेना–देना नहीं है। प्रदेश में पंचायत चुनावों में हो रही देरी के मुद्दे पर राजभर ने कहा कि सरकार पूरी तरह तैयार है और अब सिर्फ हाईकोर्ट के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है।

पेपर बैग डे पर प्लास्टिक के प्रति किया जागरूक

संवाददाता–गोरखपुर। सेण्ट ऐण्ड्रयूज कॉलेज में एनसीसी कैडेट की ओर से पेपर बैग डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिंगल उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग के थैलों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना। कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। कैडेट्स ने प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलायी गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. एसडी राजकुमार तथा एनओ कैप्टन प्रो. निधि लाल के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी गीता यादव पत्नी दुर्गेश कुमार यादव ग्राम–नरौली पोस्ट–गौरा उपाध्याय जनपद बस्ती (उ.प्र) की निवासिनी है। आधारकार्ड, पैन कार्ड में मेरा नाम गीता यादव और हाई स्कूल के अंक पत्र में कुं गीता देवी है। मुझे गीता यादव पत्नी दुर्गश कुमार यादव के नाम से ही जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं आयशा शेख पत्नी अब्दुल खालिक खान, निवासी ग्राम भाटपारा, पोस्ट बाघनगर, जनपद संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश ने अपना नाम आयशा खातूनAYESHA KHATOON से बदलकर आयशा शेख AISHA SHAIKH रख लिया है। भविष्य में मुझे सभी शासकीय, अर्धशासकीय, बैंकिंग, शैक्षिक एवं अन्य अभिलेखों में AISHA SHAIKH के नाम से ही जाना, पहचाना एवं संबोधित किया जाए। दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही हैं।–आयशा शेख

आस्था के नाम पर राजनीति, चढ़ावे के नाम पर लूट –प्रणव झा

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने राम मंदिर चंदा में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने स्वतंत्र जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांगा और सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की आवश्यकता जताई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने राम मंदिर चंदा और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला। आरोप लगाया कि भगवान राम के नाम पर जुटाए गए करोड़ों रुपये के चंदे और चढ़ावे में गंभीर वित्तीय गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने की मांग की।

प्रणव झा शनिवार को प्रेसक्लब सभागार में पत्रकारों से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था, आदर्श और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं, लेकिन भाजपा–आरएसएस ने वर्षों तक राम के नाम पर राजनीति की। और अब उसी आस्था से जुटाए गए चंदे पर घोटाले के आरोप सामने आ रहे हैं। देश–दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं, गरीबों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं ने अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार राम मंदिर निर्माण के लिए योगदान दिया था। आज वही रामभक्त यह जानना चाहते हैं कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ावा आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया?

प्रणव झा ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे, ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन पर उठे सवाल, आयोजनों में करोड़ों रुपये के खर्च और कथित फर्जी रसीदों व लेखा–जोखा में गड़बड़ियों के आरोप पूरे मामले को गंभीर बनाते हैं। उनका दावा है कि ट्रस्ट की प्रशासनिक संरचना और शीर्ष नियुक्तियों में प्रधानमंत्री कार्यालय की भूमिका रही है, इसलिए केंद्र सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि एसआईटी की जांच में राम मंदिर के बड़े आयोजनों के खर्च की भी जांच कर रही है, कई महत्वपूर्ण तथ्यों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है, जबकि शीर्ष स्तर पर कोई जवाबदेही तय नहीं की गई।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 02916/19
धारा 209 ज0 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान तहसीलदार बांसी जिला सिद्धार्थनगर

श्रीमती निर्मला
बनाम
मोहन लाल आदि

1. श्रीमती निर्मला पत्नी हरिमंगल 2. श्रीमती गुड़िया पत्नी मनिराम साकिनान पथरा बाजार तप्पा मसिना परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–07–2026

वाजेह हो कि हरिराम ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सुरेश चन्द्र चौधरी आदि
बनाम
रामनरेश आदि

1. राकेश कुमार पुत्र रामनरेश 2. ध्रुपचन्द्र 3. रमाकान्त 4. भगवन सिंह पुत्रगण प्रेमदत्त 5. कन्हैयालाल 6. रामसिंह पुत्रगण रामकुमार 7. अनिल कुमार 8. रजनीश कुमार पुत्रगण रामकिशोर 9. सुषमा पत्नी राम किशोर 10. अजय पुत्र रामविलास 11. सरस्वती देवी पत्नी राम विलास सभी निवासीगण ग्राम रैपुरांजगल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 10 माह 07 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

दयाराम
बनाम
रामसुन्दर आदि

1. रामसुन्दर पुत्र राजाराम साकिन मंसूरनगर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. कृष्ण कुमार पुत्र राजाराम साकिनान मंसूरनगर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. राज्य सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 15–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 03 माह 07 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विनय कुमार (मृतक) आदि
बनाम
गंगोत्री प्रसाद आदि

1/1 प्रकाश उर्फ ओम प्रकाश पाण्डेय 1/2 राधे पाण्डेय पुत्रगण गंगोत्री प्रसाद पाण्डेय 1/3 श्रीमती उत्तमा देवी पत्नी गंगोत्री प्रसाद साकिन महदेवा खुर्द तप्पा निकसौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थ नगर 3. ग्राम पंचायत चोरई तप्पा निकसौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थ नगर द्वारा ग्राम प्रधान/अध्यक्ष

तारीख पेशी 21–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 21 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 04 माह 07 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–153/2000

रवीशचन्द्र
बनाम
तीरथराज

1/1 श्रीमती अन्नू पुत्री स्व0 तीरथराज पत्नी महेश ग्राम मन्नीवा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 2/4 श्रीमती शान्ती पुत्री स्व0 राजकुमार पत्नी रामजग साकिन सरैया पोस्ट कुसहरा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 2/5 श्रीमती शीला देवी पुत्री राजकुमार पत्नी ओंकारनाथ ग्राम बैरागल तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–07–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस हैं और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–110/2024

सत्येन्द्र पाल
बनाम
सुशील गिरि

1. सुशील गिरि पुत्र रामअजोर गिरि साकिन महुआरी तप्पा खुरियार परगना महुली पश्चिम पोस्ट दयालपुर तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–440/2024

राम सिरोमन आदि
बनाम
हरद्विार आदि

1. हरद्विार 2. चन्द्रमणि पुत्रगण कुवंर 3. दिलीप पुत्र ललित 4. प्रहलाद पुत्र महादेव 5. केशराम 6. फूलचन्द 7. चक्रधर 8. ओंकार पुत्रगण राम उग्रह 9. सरोज कुमार पुत्र राम कुमार निवासीगण ग्राम कुदरहा तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

10. गायत्री देवी पत्नी कमलनयन चौधरी साकिन ग्राम कुदरहा तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम केवाड़ी तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 01–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–110/2025

हरीराम तिवारी
बनाम
राम अनोख आदि

1. राम अनोख 2. राम नरायन 3. सूर्यनाथ पुत्रगण स्व0 लालबिहारी 4. अर्पित 5. सुनील 6. विनोद पुत्रगण स्व0 स्वामीनाथ 7. सहदेव पुत्र स्व0 दुर्गा प्रसाद निवासीगण मौजा संसारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

8. नैनाथ पुत्र स्व0 गोर्वधन निवासी मौजा संसारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 9. रीना उर्फ रानी पुत्री स्व0द रामनरेश हाल मुकाम पत्नी गणेश शंकर साकिन मदासी तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 02–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 10 माह 07 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com